मीलाद के लिए एकत्रित होने का हुक्म और नबी अलैहिस्सलाम की उपस्थिति का दावा

[हिन्दी – Hindi – هندي]

इफ्ता की स्थायी समिति

अनुवाद : अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

2013 - 1434

IslamHouse.com

حكم اجتماع الناس للمولد ودعوى حضور النبي ﷺ

« باللغة الهندية »

اللجنة الدائمة للإفتاء

ترجمة : عطاء الرحمن ضياء الله

2013 - 1434

IslamHouse.com

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) केवल अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत प्रदान करदे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

मीलाद के लिए एकत्रित होने का हुक्म और नबी अलैहिस्सलाम की उपस्थिति का दावा

प्रश्न :

मीलाद के लिए लोगों के एकत्रित होने का क्या हुक्म है जबकि उनका यह भ्रम होता है कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम उनकी सभाओं (महफिलों) में उपस्थित होते हैं ? क्या यह जमावड़ा (सभा) धार्मिक दृष्टिकोण से सही है ? हमें नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के जन्म दिन पर क्या करना चाहिए ? और आप का जन्म किस दिन, किस महीने और किस वर्ष हुआ ? और क्या नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अपनी क़ब्र में अभी जीवित हैं या नहीं ?

उत्तर :

लोगों का नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के जन्म दिन की रात को जागने और मीलाद की कहानी पढ़ने के लिए इकट्ठा होना धर्मसंगत नहीं है, बल्कि वह एक नयी अविष्कार कर ली गई बिदअत है। और उन लोगों का यह गुमान करना कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम उनकी सभाओं में

उपस्थित होते हैं एक झूठ मात्र है। नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अपनी क़ब्र में जीवित हैं जो कि एक बर्ज़ख़ी जीवन है जिसमें आप स्वर्ग की नेमत से लाभान्वित होते हैं और वह (जीवन) आपके दुनिया के जीवन के समान नहीं है, क्योंकि अन्य लोगों के समान आपकी मृत्यु हुई, आपको स्नान कराया गया, आपको कफन पहनाया गया, आप पर जनाज़ा की नमाज़ पढ़ी गई और आपको दफन किया गया। तथा आप क़ियामत के दिन सबसे पहले अपनी क़ब्र से उठाए जायेंगे। अल्लाह तआला ने आपको संबोधित करते हुए फरमाया है :

﴿ إِنَّكَ مَيِّتٌ وَإِنَّهُمْ مَيِّتُونَ ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ عِنْدَ رَبِّكُمْ تَخْتَصِمُونَ ﴾ [سورة الزمر : ٣٠-٣١].

''निःसंदेह स्वयं आप को भी मौत आयेगी और ये सब भी मरने वाले हैं। फिर तुम सब के सब क़ियामत के दिन अपने पालनहार के सामने झगड़ोगे।'' (सूरतुज़ ज़ुमर : 30–31).

तथा अल्लाह सर्वशक्तिमान ने फरमाया :

﴿ثُمَّ إِنَّكُمْ بَعْدَ ذَلِكَ لَمَيِّتُونَ ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ تُبْعَثُونَ ﴾

[سورة المؤمنون : ١٥-١٦].

''इस के बाद फिर तुम सब ज़रूर मरने वाले हो। फिर क़ियामत के दिन निःसंदेह तुम सब उठाए जाओगे।'' (सूरतुल मोमिनून : 15–16).

और अल्लाह तआला ही तौफीक़ प्रदान करने वाला (शक्ति का स्रोत) है, तथा अल्लाह तआला हमारे ईश्दूत मुहम्मद, उनकी संतान और उनके साथियों पर दया और शांति अवतरित करे।

इफ़्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

अब्दुल्लाह बिन क़ऊद (सदस्य)

अब्दुल्लाह बिन गुदैयान (सदस्य)

अब्दुर्रज़्ज़ाक़ अफीफी (उपाध्यक्ष)

अब्दुल अज़ीज़ बिन अब्दुल्लाह बिन बाज़ (अध्यक्ष)

''फतावा स्थयी समिति'' (3 / 37–37).